



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 31]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, फरवरी 9, 2012/माघ 20, 1933

No. 31]

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 9, 2012/MAGHA 20, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 2012

निर्णयोत्तर मौखिक सुनवाई (सीस्टेट रिमांड मामला)

विषय : बुल्गारिया, चीन जन. गण., मलेशिया, सिंगापुर तथा दक्षिण कोरिया के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ग्री. सेंसिटाइज्ड पॉजिटिव ऑफसेट एल्युमीनियम प्लेट्स (पी एस प्लेट्स) के आयात के संबंध में निर्णयोपरांत जांच परिणाम ।

सं. 14/6/2006-डीजीएडी.—क. पृष्ठभूमि:

वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

यतः मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम (प्रा.) लि. तथा मै. स्टोवेक इंडस्ट्रीज लि. (जिन्हें इसके बाद आवेदक कहा गया है) ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन-पत्र दायर किया है जिसमें चीन जन.गण., मलेशिया, कोरिया तथा दक्षिण कोरिया (जिसे इसके बाद संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और अनुरोध किया गया है कि संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बारे में पाटनरोधी जांच आरंभ की जाए ।

2. और जबकि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 24 अगस्त, 2006 की एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसके अनुसार उक्त नियमावली के नियम 6 के अनुसार संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ की गई जिससे कथित पाटन होने, उसकी मात्रा तथा प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और उस पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। प्राधिकारी ने दिनांक 13 सितंबर, 2007 को यथासंशोधित अंतिम जांच परिणाम दिनांक 23 अगस्त, 2007 को जारी किए थे और वित्त मंत्रालय द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

3. और यतः मेसर्स टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स (प्रा.) लि. और मेसर्स स्टोवेक इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पी एस पलेटों के आयातों पर संदर्भ कीमत आधार पर पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण को चुनौती देते हुए सीस्टेट के समक्ष एक अपील दायर की थी और दिनांक 25 सितंबर, 2007 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 108/2007-सीमाशुल्क द्वारा अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क को चुनौती देते हुए दूसरी अपील मै. एलाइड इंटरप्राइजेज ने दायर की थी। माननीय सेस्टेट ने दिनांक 11 अगस्त, 2011 के अपने आदेश सं. ए डी/31-51/2011 द्वारा यह मामला आवेदकों को 6 माह की अवधि के भीतर सुनवाई का उचित अवसर प्रदान करते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह मामला निर्णयार्थ वापस भिजवा दिया था।

ख. प्रक्रिया

4. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है:

- (i) 24 अगस्त, 2006 को निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी भी कहा गया है) ने उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित प्री-सेंसिटाइज्ड पॉजिटिव ऑफसेट एल्युमीनियम प्लेट्स के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए एक जांच शुरूआत अधिसूचना जारी की, जो भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई। घरेलू उद्योग की ओर से उक्त उत्पाद के घरेलू उत्पादन के बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाले मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम (प्रा.) लि. तथा मै. टोवेक इंडस्ट्रीज लि. (जिसे एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) से आवेदन प्राप्त होने के बाद पाटनरोधी प्रक्रिया शुरू की गई थी। आवेदन में उक्त उत्पाद के पाटन संबंधी साक्ष्य तथा उससे हुई क्षति से संबंधित साक्ष्य थे जिन्हें प्रक्रिया की शुरूआत को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त माना गया था।
- (ii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले आवेदक द्वारा दिए गए पूर्णतः प्रलेखित आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के राजदूतावासों को सूचना दी थी।
- (iii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उक्त जांच शुरूआत अधिसूचना की प्रतियां नियम 6 के उप नियम (2) के अनुसार भारत में ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उद्योग एसोसिएशनों,

संबद्ध देशों के राजदूतावासों तथा आवेदकों को भेजी थी और उन्हें लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया था ।

- (iv) प्राधिकारी ने नियम 6 के उप नियम (3) के अनुसार संबद्ध देशों के सभी ज्ञात निर्यातकों एवं भारत में उनके राजदूतावासों को आवेदन पत्र के अगोपनीय अंश की प्रतियां उपलब्ध कराई थीं । नियम 6 के अनुसार प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों तथा उनके दूतावासों को संगत प्रश्नावली की प्रति प्रदान की थी । नई दिल्ली में संबद्ध देशों के राजदूतावासों को जांच शुरुआत के संबंध में इस अनुरोध के साथ सूचना दी गई थी कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को विनिर्दिष्ट समय के भीतर प्रश्नावली का जवाब देने की सलाह दें । निर्यातकों के नाम एवं पत्तों के साथ निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्रों एवं प्रश्नावली की एक प्रति भी उनको भेजी गई थी ।

- (1) मै. जुगंडो कैमिकल कंपनी लि., दक्षिण कोरिया
- (2) मै. कोडक पॉलीक्रोम ग्राफिक्स सिंगापुर, प्रा. लि. (पी के जी), सिंगापुर
- (3) मै. फूजी ऑफसेट प्लेट्स मैन्यु. लि. सिंगापुर
- (4) मै. जी ई डी लिमिटेड, बुल्गारिया
- (5) मै. फूजी फोटो फिल्थ (मलेशिया) एस डी एन, पी एच डी. मलेशिया
- (6) मै. कोडक पॉलीक्रोम (के.पी.), बुल्गारिया

- (v) जांच शुरुआत अधिसूचना के उत्तर में मै. कोडक पॉलीक्रोम ग्राफिक्स, सिंगापुर (के पी जी, सिंगापुर), एक निर्यातक और मै. कोडक पॉलीक्रोम, बुल्गारिया (के पी बुल्गारिया), उत्पादक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया और पर्याप्त सूचना प्रस्तुत की । सहयोगी निर्यातकों के परिसरों का मौके पर सत्यापन करके प्राधिकारी द्वारा उनकी सूचना का सत्यापन किया गया और सहयोगी उत्पादक एवं निर्यातक को उनकी टिप्पणियों के लिए एक सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई । उत्पादक तथा निर्यातक से प्राप्त टिप्पणियों की जांच की गई है और उन्हें प्रकटन विवरण में दर्शाया गया है ।

- (vi) नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ता एसोसिएशनों को आवश्यक सूचना हेतु प्रश्नावली भेजी गई थी ।

- (vii) प्रिंटरों और एसोसिएशनों के अभ्यावेदनों की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है और उन पर अंतिम जांच परिणाम में पर्याप्त विचार किया गया है । यह कहा गया है कि पाटनरोधी जांच की शुरुआत के बाद घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत विचाराधीन उत्पाद के आयात आंकड़ों को सभी हितबद्ध पक्षकारों के सूचनार्थ सार्वजनिक फाइल में रखा गया है । तत्पश्चात, संबद्ध वस्तु के मांगे गए आंकड़ों (विचाराधीन उत्पाद में यथापरिभाषित) की एक प्रति भी सार्वजनिक फाइल में रखी गई थी और उसकी जांच करने वाले हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध किए जाने पर उसकी प्रतियां उन्हें उपलब्ध कराई गई थी । गोपनीयता के दावे के संबंध में यह कहा गया है कि विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा पर्याप्त कारण दिए जाने पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग (मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स प्रा. लि., मुंबई) की

वित्तीय रिपोर्टों और आयात की मात्रा एवं कीमत को दर्शाने वाला, सौदे-वार आयात संबंधी सूचना तथा आयातक आंकड़ों के अन्य समायोजनों को "गोपनीय" माना है। सार्वजनिक सुनवाई के बाद सभी संबंधित पक्षकारों के सूचनार्थ मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स के वित्तीय विवरणों के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति भी सार्वजनिक फाइल में रखी गई थी। इन दस्तावेजों की प्रति प्राप्त करने के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध किए जाने पर प्राधिकारी ने उन्हें सार्वजनिक फाइल में उसकी उपलब्धता के बारे में उन्हें सूचित भी किया।

- (viii) अनुरोध किए जाने पर अगोपनीय आवेदन की एक प्रति भी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई थी।
- (ix) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया था जिसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा गया है।
- (x) आवेदक से क्षति के संबंध में अतिरिक्त सूचना की मांग की गई थी, जो प्राप्त नहीं हुई थी। प्राधिकारी ने पाटन एवं परिणामी क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझी गई सूचना की मांग की और उसका सत्यापन किया। प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग का मौके पर सत्यापन किया। सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर ईष्टतम उत्पादन लागत और भारत में संबद्ध वस्तुओं को बनाने और उनकी बिक्री करने की लागत का परिकलन किया गया था ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (xi) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों की बात को मौखिक रूप से सुनने के लिए 5 जनवरी, 2007 को सार्वजनिक सुनवाई की जिसमें कई हितबद्ध पक्षकारों ने भाग लिया था। सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाले पक्षकारों से मौखिक रूप से प्रकटन किए गए विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। इस प्रकार हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित प्रस्तुतिकरणों पर प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम में विचार किया है। पक्षकारों से अन्य पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए विचारों पर अपना प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने का भी अनुरोध किया गया था।
- (xii) जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना प्रदान नहीं की अन्यथा उसे जुटाने से मना किया है या जांच में अत्यधिक बाधा डाली है, प्राधिकारी ने अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज किया है।
- (xiii) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों के उत्पादन लागत और बिक्री कीमत से संबंधित आंकड़ों को गोपनीय माना है क्योंकि इससे उनके प्रतिस्पर्धियों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा। किसी अन्य सूचना को तब तक गोपनीय नहीं माना गया है, जब तक कि उत्तर देने वाले पक्षकार ने उसे गोपनीय रखने के लिए पर्याप्त औचित्य नहीं दिया है।
- (xiv) इस अधिसूचना में *** गोपनीय आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत और प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अंतर्गत विचार की गई सूचना को दर्शाता है। नियमावली के

नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों में विचार किए गए आवश्यक तथ्यों/आधार को 25 जुलाई, 2007 को हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट किया गया था और उस पर प्राप्त उनकी टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है ।

1. मै. एलाइड इंटरप्राइजेज
2. मै. के.पी. बुलगारिया और मै. के पी जी, सिंगापुर
3. मै. कपूर इमेजिंग
4. मै. ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ मास्टर प्रिंट्स
5. घरेलू उद्योग
6. ऑल बंगाल प्रिंटर्स एसोसिएशन

इन सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर ध्यान दिया गया है और इस अंतिम जांच परिणाम के संगत शीर्षों में उन पर कार्रवाई की गई है ।

- (xv) 1 अप्रैल, 2005 से 31 मार्च, 2006 (12 महीने) अर्थात् जांच अवधि (पी ओ आई) के लिए जांच की गई थी । क्षति के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में 2002-03, 2003-04, 2004-05 तथा जांच अवधि शामिल थी ।
- (xvi) मेसर्स टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम्स (प्रा.) लि. और मेसर्स स्टोवेक इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पी एस पलेटों के आयातों पर संदर्भ कीमत आधार पर पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण को चुनौती देते हुए सीस्टेट के समक्ष एक अपील दायर की थी और पाटनरोधी शुल्क को चुनौती देते हुए दूसरी अपील मै. एलाइड इंटरप्राइजेज ने दायर की थी ।
- (xvii) माननीय सीस्टेट ने दिनांक 11 अगस्त, 2011 के अपने आदेश सं. ए डी/31-51/2011 द्वारा यह मामला आवेदकों को 6 माह की अवधि के भीतर सुनवाई का उचित अवसर प्रदान करते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह मामला निर्णयार्थ वापस भिजवा दिया था । आदेश में निम्नानुसार उल्लेख किया गया था ।

“15. तदनुसार हम आवेदकों को निर्णयोपरांत सुनवाई का अवसर देने और अंतिम जांच परिणाम में ऐसे उपांतरण करने जिन्हें ऐसे निर्णयोपरांत सुनवाई के परिणामस्वरूप आवश्यक समझा जाए, करने के लिए ये अपीलें निर्दिष्ट प्राधिकारी को वापस भेजने की अनुमति देते हैं । प्रतिवादी घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों, यदि कोई हो, को भी ऐसे निर्णयोपरांत सुनवाई में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी । अंतिम जांच परिणाम में किए गए किसी उपांतरण पर पाटनरोधी शुल्क लगाने वाली आक्षेपित अधिसूचना में आवश्यक संशोधन कर सरकार द्वारा उन्हें प्रभावी बनाते हुए विचार किया जाएगा । यह प्रक्रिया इस आदेश की तारीख से 6 माह के भीतर पूरी की जाएगी और इस बीच यथास्थिति बनाए रखी जाएगी ।

चूँकि हम इन अपीलों की अनुमति वापस भेजकर प्रदान कर रहे हैं, इसलिए संबंधित स्थगन याचिकाएं, एम ए तथा सी ओ को निपटाया गया माना जाएगा । ”

- (xviii) इसके अलावा सेस्टेट के आदेश के अनुसरण में प्राधिकारी ने दिनांक 14 दिसंबर, 2011 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचारों को मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था । सार्वजनिक सुनवाई में जिन हितबद्ध पक्षकारों ने मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत किए थे उनसे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों को लिखित निवेदन के रूप में प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया और विरोधी पक्षकारों के निवेदनों के उत्तर प्रस्तुत करने की अनुमति भी प्रदान की गई थी ।
- (xix) जांच की प्रक्रिया के दौरान और प्राधिकारी द्वारा आयोजित मौखिक विस्तृत सुनवाई के दौरान किए गए निवेदनों की विस्तृत जांच तथ्यों एवं कानूनी प्रावधानों के संदर्भ में की गई और प्रस्तुत जांच परिणाम में भी उन पर विचार किया गया है ।

ग. विचारधीन उत्पाद, समान वस्तु एवं घरेलू उद्योग:

1. विचारधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

दिनांक 24 अगस्त, 2007 के अंतिम जांच परिणाम से पूर्व किए गए निवेदन एवं उठाए गए मुद्दे

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद प्रीसेसिंगाइज्ड पॉजिटिव आफसेट एल्यूमिनियम प्लेट्स (जिसे पीएस प्लेट्स या संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) है । संबद्ध वस्तु मुख्यतः मुद्रण प्रतिष्ठानों में प्रयोग की जाती हैं । विभिन्न प्रकार की एल्यूमिनियम प्लेटें हैं जिन्हें प्रयोक्ताओं की गुणवत्ता, गति और लागत अपेक्षाओं के अनुसार डिजाइन किया जाता है और उनके पास उपलब्ध अनुरूप प्रौद्योगिकी अर्थात् नॉन सेंसिटिव ग्रेड प्लेट्स, प्रीसेसिंगाइज्ड प्लेट्स (पॉजिटिव अथवा निगेटिव कार्यशील) डिजिटल प्लेट्स (थर्मल अथवा वॉयलेट अथवा यूवी सेंसिटिव) के अनुकूल होती हैं । संबद्ध वस्तु की मोटाई 0.15 मि मी से 0.40 मि मी तक होता है । वर्तमान आवेदन में 0.15 मिमी से 0.40 तक की मोटाई, जिसमें 0.03 मि मी का दोनों ओर अंतर होता है की सभी प्रकार की पीएस प्लेटें शामिल हैं ।

6. पी एस प्लेट किसी ऑफसेट प्रिंटिंग मशीन पर इमेज कैरियर का कार्य करती है और लिथोग्राफिक ऑफसेट प्रिंटिंग प्रक्रिया में अंतिम संपर्क का कार्य करती हैं । इन्हें मुद्रण उद्योग द्वारा समाचार पत्र, लचीली पैकेजिंग सामग्री, पुस्तकों, सामान्य वाणिज्यिक मुद्रण और लेखन सामग्री, व्यावसायिक फार्मों के लिए शीट फैंड और वैब फैंड आफसेट मुद्रण मशीनों पर प्रयोग किया जाता है । संबद्ध वस्तुओं का “लीथो ग्रेड” एल्यूमिनियम की कॉइलों अथवा शीटों के इलैक्टोकैमिकल उपचार द्वारा एल्यूमिनियम लिथोग्रेड,

जिसके बाद ओटो संवेदनशील परत के बाद सुखाए जाने और अपेक्षित आकारों में शीटों को काटने के बाद" विनिर्माण किया जाता है। संबद्ध वस्तु सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 84 के अधीन शामिल हैं। यद्यपि पीएस प्लेटों का वर्गीकरण 8 अंकीय स्तर 84425020 पर है परन्तु संबद्ध वस्तुएं शीर्ष 3701 3000, 3704, 0090, 3705, 1000, 76069191 और 7606 9290 उप-शीर्ष के अंतर्गत भी आयात की गई की सूचना भी प्राप्त हुई है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी प्रकार से वर्तमान जांच की व्याप्ति पर बाधकारी नहीं है। जांच शुरुआत के बाद कई हितबद्ध पक्षकारों ने निवेदन किया है कि विचारधीन उत्पाद के दायरे को स्पष्ट किया जाना चाहिए ताकि इसमें निगेटिव प्लेट्स तथा डिजिटल प्लेट्स जैसे अन्य उत्पाद शामिल न हों। प्राधिकारी ने अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विरोधों की जांच की है और मानते हैं कि विचाराधीन उत्पाद में निगेटिव प्लेट्स शामिल नहीं हैं और सभी डिजिटल प्लेट्स, निगेटिव ऑफसेट प्लेट्स तथा "0.03 मि मी की कमी बेशी के साथ 0.15 मिमी से 0.040 मि मी की मोटाई वाली प्री-सेंसिटाइज्ड ऑफसेट एल्युमीनियम प्लेट्स" को छोड़कर सभी प्लेट्स जांच के दायरे से बाहर है।

7. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) में समान वस्तु को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है—

"कोई वस्तु जो भारत में पाटन के संबंध में जांचाधीन वस्तु के सभी प्रकार से समान है या किसी ऐसी वस्तु की अनुपस्थिति में किसी अन्य वस्तु के समान है जो यद्यपि सभी प्रकार से समान नहीं है तथापि विचारधीन वस्तु के गुणावगुन उससे बहुत मेल खाते हैं।"

8. आवेदकों ने दावा किया है कि संबद्ध वस्तु, जिसका भारत में पाटन किया जा रहा है, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित घरेलू समान वस्तु के समान है। पाटित आयातों और घरेलू रूप से उत्पादित संबद्ध वस्तु में तकनीकी विनिर्देशनों, गुणवत्ता, कार्यों या अंतिम प्रयोगों में कोई अंतर नहीं है। समान वस्तु के मुद्दे पर कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने कहा है कि घरेलू उद्योग द्वारा अपनी उच्च गुणवत्ता और उच्च कीमत वाली प्लेटों पर विचार किया जा रहा है और आयातित पीएस प्लेटे शॉर्ट रन, मीडियम रन तथा हाई रन नामक विभिन्न प्लेटों के रूप में आती हैं। अतः उन्होंने देशी प्लेटों की तुलना संबद्ध देशों से आयातित प्लेटों के साथ समान वस्तु के रूप में करने के घरेलू उद्योग के दावे का खण्डन किया है। यह भी कहा गया है कि उनके द्वारा आयातित प्लेटों की ऊपरी लागत भारतीय विनिर्माताओं के समान बहुत अधिक है।

9. दूसरी ओर घरेलू उद्योग द्वारा निवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित प्लेटों की गुणवत्ता का मुद्दा विरोधी हितबद्ध पक्षकार द्वारा शुरू किया गया है। यह भी निवेदन किया गया है कि ऐसे तर्क ओछे हैं और इन्हें केवल संबद्ध देशों से पाटन की जांच से ध्यान विचलित करने के लिए प्रस्तुत किया गया है। इस मुद्दे को

प्रभावित करने के लिए कोई तकनीकी या वैज्ञानिक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। यह भी निवेदन किया गया है कि संबद्ध वस्तु का उत्पादन शॉर्ट रन, लॉग रन या मीडियम रन जैसे विभिन्न प्रकारों में किया जाता है। उक्त जांच शुरुआत अधिसूचना में किए गए उल्लेख के अनुसार विनिर्दिष्ट चौड़ाई के भीतर संबद्ध वस्तु के सभी तथाकथित ग्रेड/प्रकार/रूप इस याचिका की विषय वस्तु हैं। घरेलू उद्योग द्वारा यह भी निवेदन किया गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा विचाराधीन उत्पाद में शामिल प्लेटों के सभी ग्रेडों एवं प्रकारों का विनिर्माण किया जा रहा है, जिनके द्वारा पाटित संबद्ध वस्तु को स्पष्ट रूप से अनुपूरित और प्रतिस्थापित किया जा सकता है। अतः, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु में कोई अंतर नहीं है। यह भी निवेदन किया गया है कि यद्यपि उक्त आयातक द्वारा प्लेट के केवल एक प्रकार का आयात किया जा रहा है जो स्पष्ट रूप से जांच के दायरे में आता है, तथापि इससे उसके आयात याचिका में लगाए गए उक्त आरोपों से मुक्त नहीं हो जाते हैं और इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। विनिर्माताओं द्वारा प्राप्त विपणन लागत या विद्युत लागत या उत्कृष्ट उत्पादन श्रृंखला के संबंध में अभ्यावेदनों में उठाए गए मुद्दों पर यह निवेदन किया गया है कि कोरिया के विनिर्माताओं/निर्यातकों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय सीमा का पालन नहीं किया है और उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली, जिसमें जांच से संबंधित विश्वसनीय एवं विस्तृत सूचना दिया जाना अपेक्षित होता है के अन्तर्गत यथाअधिदेशित सूचना भी प्रस्तुत नहीं की है।

10. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों के तर्क की जांच की है और जांच के बाद यह नोट किया जाता है कि अल्प प्रचालन, मध्यम प्रचालन एवं दीर्घ प्रचालनों से ऐसी प्रतियों या छापों की संख्या का पता चलता है जिन्हें पी एस प्लेटों से तैयार किया जा सकता है। तथापि, मै. कोडक बुल्गारिया और मै. के पी जी, सिंगापुर को छोड़कर संबद्ध देशों के किसी भी निर्यातक ने जांच में सहयोग नहीं किया है और संबद्ध वस्तु के विभिन्न ग्रेडों या परिवर्तकों के बारे में कोई आंकड़ा प्रस्तुत नहीं किया है। एकमात्र सहयोगी निर्यातक मै. के.पी. बुल्गारिया तथा मै. के पी जी सिंगापुर ने भी इन तीनों ग्रेडों में अपनी संबद्ध वस्तु को प्रस्तुत या वर्गीकृत नहीं किया है या प्रचालनों के इन विभिन्न प्रकारों पर किसी चीज के बारे में टिप्पणी की है। किसी भी हितबद्ध पार्टी ने इस आश का साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के ये तीनों परिवर्तक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु के समान उत्पाद नहीं हैं। प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध वस्तु के अलग-अलग प्रकारों का उत्पादन एक समान उत्पादन प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्री, संयंत्र एवं उपकरण से किया जाता है और ये एक समान सामान्य प्रयोजन को सिद्ध करते हैं। संबद्ध वस्तु के विभिन्न प्रकारों के बीच पर्याप्त प्रतिस्थापनीयता है। यद्यपि उत्पाद को मोटाई तथा प्रचालन के अनुसार विशिष्ट प्रकारों में समूहबद्ध किया गया है। तथापि, इन विशिष्ट विशेषताओं से केवल संबद्ध वस्तु के विभिन्न प्रकारों में भेद होता है। आयातित उत्पाद का उपयोग भी उसी श्रेणी के उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। इसके अलावा, न तो निर्यातकों में और न ही हितबद्ध पार्टियों ने साक्ष्य के साथ इस तथ्य का खंडन किया है कि संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु

तथा घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तु के बीच कोई अंतर है। दावों की जांच करने के बाद प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों द्वारा उत्पादित एवं विक्रित संबद्ध वस्तु तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय होने के कारण उसे पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत "समान वस्तु" माना जाता है। अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ भारत में आवेदकों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को संबद्ध देश से आयातित वस्तुओं के "समान वस्तु" माना जा रहा है। प्रकटन विवरण के बाद किसी भी हितबद्ध पार्टी ने विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है। इस बात को देखते हुए प्राधिकारी प्रकटन विवरण में यथानिर्धारित विचाराधीन उत्पाद एवं सामान्य वस्तु की पुष्टि करते हैं।

सेस्टट के दिनांक 11 अगस्त, 2011 के आदेश के अनुसरण में दिनांक 14 दिसंबर, 2011 को आयोजित दूसरी मौखिक सुनवाई के बाद लिखित निवेदनों एवं उत्तरों में किए गए निवेदन

कोडक (बुल्गारिया, सिंगापुर एवं भारत) द्वारा

विचाराधीन उत्पाद का दायरा

11. टेक्नोवा ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में प्राधिकारी को गुमराह किया है। सीमाशुल्क प्राधिकारियों ने यह मानते हुए कि सी टी सी पी प्लेटें पी एस प्लेटों अथवा एनालॉग प्लेटों के समान हैं, सी टी सी पी प्लेटों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का संग्रहण किया है।

12. सी टी सी पी, एनालॉग तथा डिजिटल प्लेट के ब्यौरे में उत्तर हेतु प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विशेषताओं का कोई तकनीकी आधार नहीं है।

13. इमेज को पहले फिल्म पर और फिर प्लेट पर स्थानांतरित करने के बजाए कम्प्यूटर से प्लेट (सी टी पी) प्रौद्योगिकी भी प्रयुक्त की जा सकती है जिसमें एक प्लेट सेंटर के माध्यम से इमेज को कम्प्यूटर से सीधे प्लेट पर स्थानांतरित कर दिया जाता है।

14. जहां तक सी टी सी पी प्लेटों को पी एस प्लेटों के समान मानते हुए सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा सी टी सी पी प्लेटों पर सीमाशुल्क संग्रहण का संबंध है, कोडक ने कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

15. प्राधिकारी ने अंतिम जांच परिणाम में विचाराधीन उत्पाद के दायरे के मुद्दे की विस्तृत जांच की थी और वह नोट करते हैं कि डिजिटल प्लेटें जांच के दायरे से बाहर हैं और पैरा 6 में किए गए विवेचन के अनुसार अंतिम जांच परिणाम में इन्हें पी एस प्लेट के उत्पाद दायरे से बाहर रखा गया था। दरअसल इसके बाद यह नोट किया गया है कि सी टी सी पी प्लेटें यू वी सीटीपी प्लेटें होती हैं, अतः अंतिम जांच परिणाम के पैरा 6 में यथापरिभाषित पी एस प्लेटों की परिभाषा के दायरे से बाहर हैं। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अपने पूर्ववर्ती

निर्णय को कायम रखते हैं और दिनांक 24 अगस्त, 2007 के अंतिम जांच परिणाम के अगनुसार उत्पाद के दायरे की पुनः पुष्टि करते हैं ।

घरेलू उद्योग

16. यह नोट किया गया है कि याचिका मै. टेक्नोवा इमेजिंग सिस्टम (प्रा.) लिमिटेड (टेक्नोवा) तथा मै. स्टोवेक इंडस्ट्रीज लि. (स्टोवेक) द्वारा दायर की गई है । रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना की जांच से यह नोट किया गया है कि उपयुक्त उत्पादकों का सामूहिक उत्पादन समान उत्पाद के कुल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा बनता है अतः वे उपर्युक्त नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हैं और पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अंतर्गत याचिका दायर करने का अधिकार रखते हैं ।

17. प्रारंभिक जांच शुरुआत के पश्चात संबद्ध वस्तुओं के एक अन्य घरेलू उत्पादक मै. लस्टरा नीरज प्रा.लि. ने घरेलू उद्योग की प्रश्नावली के स्वरूप एवं पद्धति में सूचना उपलब्ध कराई है । अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को समग्र रूप से हुई क्षति का निर्धारण करने के लिए इन तीनों उत्पादकों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों (जो देश में संबद्ध वस्तुओं के संपूर्ण उत्पादन हेतु जिम्मेदार हैं) पर विचार किया है । प्रकटन विवरण के बाद किसी भी हितबद्ध पार्टी ने इस जांच में आधार और घरेलू उद्योग की स्थिति के बारे में कोई टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है । इस बात को देखते हुए प्राधिकारी प्रकटन विवरण में किए गए घरेलू उद्योग तथा आधार संबंधी निर्धारण की पुष्टि करते हैं ।

दिनांक 24 अगस्त, 2007 को जारी अंतिम जांच परिणाम से पूर्व किए गए निवेदन एवं उठाए गए मुद्दे

प्राधिकारी द्वारा काम में लाए जा रहे आयात आंकड़ों, गोपनीयता, एकछत्र स्थिति तथा क्रियाविधियों के संबंध में विभिन्न पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दे एवं अन्य मुद्दे :

18. दोहराया जाता है कि प्राधिकारी द्वारा इन मुद्दों का विवेचन एवं विश्लेषण अंतिम जांच परिणाम के पैरा 12 से 42 में किया गया है ।

सेस्टेट के दिनांक 11 अगस्त, 2011 के आदेशों के अनुसरण में दिनांक 14 दिसंबर, 2011 को आयोजित दूसरी मौखिक सुनवाई में किए गए लिखित निवेदनों एवं उत्तरों के संबंध में किए गए निवेदन

कोडक (कुल्गारिया, सिंगापुर तथा भारत) द्वारा

19. याचिका में घरेलू उद्योग के एक दायरे पर विचार किया गया था और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उस दायरे को घरेलू उद्योग का दायरा मान लिया था । जांच शुरुआत के उपरांत और मौखिक सुनवाई के निकट याचिकाकर्ता ने घरेलू उद्योग के दायरे को बढ़ा दिया था । इस

प्रकार याचिका में जांच शुरूआत अधिसूचना में और अंतिम जांच परिणाम में घरेलू उद्योग का दायरा अलग-अलग है ।

यह गैर-कानूनी है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 और 6 तथा डब्ल्यू टी ओ करार के संगत प्रावधानों का उल्लंघन है । अन्य घरेलू उत्पादकों को शामिल करने का निर्णय भी मैक्सिको-ग्वाटेमाला के स्टील पाइपों एवं ट्यूबों पर पाटनरोधी शुल्क संबंधी मामले में डब्ल्यू टी ओ पैनल के निर्णय से असंगत है । प्रकटन विवरण के पश्चात मै. कोडेक, (बल्गारिया, सिंगापुर और भारत) ने इस जांच में घरेलू उद्योग के दायरे के संबंध में पूर्ववर्ती अनुरोधों को दोहराया है ।

घरेलू उद्योग (टेक्नोवा) द्वारा

21. आवेदन दो घरेलू उत्पादकों द्वारा दायर किया गया था और तत्पश्चात तीसरे घरेलू उत्पादक ने आगे आकर क्षति संबंधी सूचना उपलब्ध कराई थी । इस प्रकार जांच की प्रक्रिया के दौरान प्राप्त सूचना को शामिल करके घरेलू उद्योग ने प्रपत्र IV क को संशोधित किया है और तीनों घरेलू उत्पादकों के समेकित आंकड़े दिए हैं ।

22. ऐसा कोई नियम नहीं है जो जांच की प्रक्रिया के दौरान संगत सूचना उपलब्ध कराना प्रतिबंधित करता हो । पाटनरोधी जांच एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है और कोई हितबद्ध पक्षकार जांच प्राधिकारी को सूचना प्रस्तुत कर सकता है ताकि प्राधिकारी द्वारा सही निर्धारण किया जा सके ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध वस्तुओं का कुल उत्पादन तीनों घरेलू उत्पादक करते हैं अतः क्षति का विश्लेषण पूरे घरेलू उद्योग के संबंध में किया गया है । अंतिम जांच परिणाम के पैरा ॥ में इसका समुचित विवेचन किया गया है ।

घ. पाटन मार्जिन का निर्धारण

24. प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन से संबंधित मुद्दों की जांच अंतिम जांच परिणाम के पैरा 43 से 65 में की है ।

ड स्थिति एवं कारणात्मक संबंध

25. घरेलू उद्योग को हुई क्षति से संबंधित मुद्दों और क्षति मार्जिन के निर्धारण का विवेचन प्राधिकारी ने अंतिम जांच परिणाम के पैरा 66 से 92 में किया है ।

च. सेस्टेट के दिनांक 11 अगस्त, 2011 के आदेशों के अनुसरण में दिनांक 14 दिसंबर, 2011 को आयोजित दूसरी मौखिक सुनवाई में प्रस्तुत लिखित निवेदनों और उत्तरों के संबंध में उठाए गए अन्य मुद्दे

कोडक (बुल्गारिया, सिंगापुर और भारत)

सिंगापुर के विरुद्ध जांच

26. यह निवेदन किया गया है कि सिंगापुर के विरुद्ध की गई जांच गैर-कानूनी है । प्राधिकारी ने न तो कोई निष्कर्ष दर्ज किया है और न ही घरेलू उद्योग अथवा अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा को साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है कि सिंगापुर में कोई उत्पादन सुविधा उपलब्ध है। कोडक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना से स्पष्ट रूप में सिद्ध होता है कि यद्यपि, सामग्री के बीजक सिंगापुर में तैयार किए गए थे, तथापि वस्तुओं का उत्पादन बुल्गारिया में किया गया था।

बिक्री चैनल

27. टेक्नोवा तथा कोडक द्वारा अपनाए गए बिक्री चैनल अलग-अलग हैं । इसका टेक्नोवा द्वारा दावा किए गए आयातित और घरेलू उत्पाद के बीच कीमत के अंतर पर इसका प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है । पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु निर्दिष्ट प्राधिकारी ने बिक्री से संबंधित व्यय, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय पर विचार किया है, उससे भी यही सिद्ध होता है । टेक्नोवा की लागत और कीमतों, जिसमें आयात कीमत सहित बिक्री लागत की अत्यधिक राशि शामिल है की तुलना करना अत्यंत विकृतिकारी होगा ।

28. बिक्री की आगत टेक्नोवा द्वारा वहन की जा रही है और कोडक, बुल्गारिया द्वारा वहन नहीं की जा रही है। कोडक बुल्गारिया के मामले में बिक्री का ऐसा कार्य कोडक इण्डियन प्रचालनों द्वारा किया जा रहा है। टेक्नोवा की लागत और कीमतों, जिसमें आयात कीमत सहित बिक्री लागत की अत्यधिक राशि शामिल है, की तुलना करना अत्यन्त विकृतिकारी होगा।

29. ये बिक्री सेवाएं टेक्नोवा प्रदान करता है और आयातों के मामले में विक्रेता सेवाएं कोडक इंडिया द्वारा प्रदान की जाती हैं। इस प्रकार टेक्नोवा की उत्पादन लागत, बिक्री कीमत यथा क्षति रहित कीमत की तुलना पट्टन पर आयात कीमत से करना भ्रामक होगा और यह तुलना अनुचित होगी।

संचयन का मुद्दा

30. मैसर्स टेकनोवा ने संचयी कीमत कटौती, कीमत हास, कीमत अवमूल्यन और कम कीमत पर बिक्री के बारे में प्राधिकारी को गुमराह किया है।

कोडक की नकारात्मक कीमत कटौती और 31कारणात्मक संबंध

31. जहां तक कोडक द्वारा किए गए निर्यातों का संबंध है, कीमत कटौती नकारात्मक है। इससे जहां बुल्गारिया का विसंचयन न्यायोचित सिद्ध होता है वहीं यह भी दर्शाता है कि बुल्गारिया से किए गए निर्यातों के कारण कोई क्षति नहीं हुई है।

खपत की पद्धति तथा प्रौद्योगिकीय विकास में उल्लेखनीय परिवर्तन

31. टेकनोवा को हुई क्षति खपत को पद्धति में हुए उल्लेखनीय परिवर्तन एवं प्रौद्योगिकी विकास के कारण हुई है। टेकनोवा ने प्राधिकारी को गुमराह किया था कि प्रौद्योगिकीय विकास और खपत की पद्धति में हुए परिवर्तन का कोई उल्लेखनीय प्रभाव नहीं पड़ा है।

प्रकटन विवरण के पश्चात मै. कोडेक (बुल्गारिया, सिंगापुर और भारत) द्वारा उठाए गए मुद्दे

31.(क) प्रकटन विवरण जारी किए जाने के पश्चात मै. कोडेक (बुल्गारिया, सिंगापुर और भारत) में किए गए अपने पूर्ववर्ती अनुरोधों को दोहराया है और उन्हें पूर्ववर्ती पैराग्राफों में दर्शाया गया है।

मैसर्स कोडक द्वारा उठाए गए मुद्दों और सीस्टेट के समक्ष की गई अपनी अपील में उठाए गए मुद्दों पर घरेलू उद्योग — मैसर्स टेकनोवा द्वारा किया गया निवेदन

33. चीन जन गण मे सम्बद्ध वस्तुओं के उत्पादक विश्वभर में अनुचित व्यापार पद्धतियों अपना रहे हैं। यह इस तथ्य से सिद्ध होता है कि चीन जन गण के किए गए आयातों पर डब्लूटीओ के अन्य सदस्य देशों ने भी पाटनरोधी शुल्क लगाया है।

34. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। इस उत्पाद की मांग 100 से बढ़कर 135.56 हो गई थी, जिसमें लगभग 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। मालसूचियों में वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कारण न केवल प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव पड़ा है, बल्कि प्रतिकूल कीमत प्रभाव भी पड़ा है।

35. इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए पाटनरोधी शुल्क की संस्तुति नियत दर आधार पर की जानी चाहिए थी, न कि सन्दर्भ कीमत आधार परक । शुल्क की संस्तुति भी 6 अंकीय स्तर पर की गई है, जो असामान्य है।

36. सन्दर्भ कीमत के रूप में पाटनरोधी शुल्क के दुरुपयोग की संभावना अधिक हैं, क्योंकि निर्यातकों के साथ सांठगांठ करके निर्यात कीमत बढ़ाकर आयातक शुल्कों के भुगतान से बच सकते हैं। पाटनरोधी शुल्क लागू किए जाने के बाद निर्यातकों ने पाटनरोधी शुल्क से बचने के उद्देश्य से सन्दर्भ कीमत की तुलना में अपना बीजक मूल्य मामूली बढ़ा दिया है।

37. सिंगापुर से सूचित आयातों की मात्रा अत्यधिक है और कोडक ने सिंगापुर में अन्य उत्पादकों हेतु उत्पादन सुविधा की अनुपस्थिति के बारे में को साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।

38. जो देश संबद्ध वस्तुओं का विनिर्माण किए बिना केवल उनका निर्यात करते हैं, उनके विरुद्ध जांच की शुरुआत करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

39. कोडक बिक्री चैनल और व्यापार के स्तर के संबंध में झूठे निवेदनों द्वारा प्राधिकारी को स्पष्टतः गुमराह कर रहा है। प्राधिकारी ने अपने अंतिम जांच परिणाम के पैरा 48 में स्पष्ट उल्लेख किया था कि के पी जी सिंगापुर, के पी जी इंडिया के लिए उत्पाद का बीजक नहीं रखते हैं और सभी बीजक भारत के असंबद्ध ग्राहकों के लिए बनाए गए हैं।

40. कोडक सिंगापुर असंबद्ध अंतिम ग्राहकों के लिए सीधे बीजक तैयार करते थे। अतः कोडक सिंगापुर द्वारा प्रभारित कीमत में ऐसी बिक्रियों हेतु किए गए सभी व्यय शामिल होने चाहिए।

41. कोडक ने यह नहीं कहा है कि वह घरेलू समान वस्तु के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। यदि संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद घरेलू समान वस्तुओं से प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा करते हों तो नियमावली के अंतर्गत क्षति का संचयी आकलन अनुमत्य है। प्रकटन विवरण के बाद की टिप्पणियों में घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से पूर्व में जारी अंतिम जांच परिणामों की पुष्टि करने का अनुरोध किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

42. यह नोट किया जाता है कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए उपर्युक्त मुद्दों और सेसटेट के समक्ष की गई अपनी अपील में उठाए गए मुद्दों और सार्वजनिक सुनवाई के दौरान प्राधिकारी के समक्ष उठाए गए मुद्दों का विवेचन अंतिम जांच परिणाम में किया जा चुका है। खपत की पद्धति में परिवर्तन और प्रौद्योगिकीय विकास के मुद्दे का विशेष रूप से विवेचन अंतिम जांच परिणाम के पैरा 83 और 84 में किया गया है। संचयन के मुद्दे का विवेचन अंतिम जांच

परिणाम के पैरा 69 से 74 में किया गया है, जबकि कीमत कटौती और कीमत कटौती मार्जिन के मुद्दे सहित क्षति सहित मुद्दे का विवेचन अंतिम जांच परिणाम के पैरा 78 में किया गया है। यह भी उल्लेख किया गया है कि प्राधिकारी द्वारा संदर्भ कीमत आधार पर शुल्क इस मामले के तथ्यों और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को ध्यान में रखकर लगाया गया है।

II क्षति तथा कारणात्मक संबंध से संबंधित निष्कर्ष

43. जहां तक क्षति तथा कारणात्मक संबंध से संबंधित मुद्दे का प्रश्न है, घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी 15 अधिदेशित मानदण्डों की जांच की गई है। नियमावली के उपबंध के अनुसार संबद्ध देशों की मात्रा तथा कीमत प्रभाव को संचित किया गया है। मात्रा तथा कीमत प्रभाव से यह ज्ञात होता है कि क्षति की अवधि में पाटित आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और जांच अवधि के दौरान भी इनमें अतिरिक्त वृद्धि हुई है। मांग के संदर्भ में तथा देश में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के संदर्भ में संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा अत्यधिक समझी गयी है। जहां तक कीमतों का प्रश्न है, यह नोट किया जाता है कि सी आई एफ स्तर पर कीमतों तथा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पहुँच मूल्य में गिरावट आई है। पहुँच मूल्य में गिरावट ये यह नोट किया गया कि भारतीय बाजारों में पाटित आयातों की कीमतों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में मंदी आयी है और घरेलू उद्योग द्वारा उल्लेखनीय रूप से कम कीमत पर बिक्री की गयी है, क्योंकि पहुँच कीमतें घरेलू के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से से बहुत कम हैं। जहां तक घरेलू उद्योग पर मात्रा तथा कीमत प्रभाव का प्रश्न है, सभी 15 मानदण्डों की जांच की गयी है। कारणात्मक संबंध की जांच करते समय पाटित आयातों से इतर कारकों की भी जांच की गयी है जिनके बारे में ज्ञात है कि वे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाते हैं। यह नोट किया जाता है कि पाटित आयातों में बढ़ोत्तरी वर्ष 2003-04 से शुरू हुई थी ! तथापि क्षति की इस अवधि के लिए आधार वर्ष 2002-03 है। जांच से यह पाया गया कि क्षति की अवधि के दौरान उत्पादन तथा बिक्री में निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है, वर्ष 2003-04 से जो वास्तव में वह वर्ष था जब संबद्ध देशों से पाटित आयातों में भारी वृद्धि शुरू हुई। वास्तव में वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक क्षमता उपयोग में उल्लेखनीय गिरावट आई है। जहां तक प्रचालन कार्य निष्पादन में परिवर्तन का प्रश्न है, यह देखा जा सकता है कि आधार वर्ष से जांच अवधि तक वित्तीय मानदंडों से अधिक परिवर्तन (कुछेक मानदंडों में मामूली कमी) नहीं आया है। तथापि, वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक आए परिवर्तन उल्लेखनीय प्रतीत होते हैं। लाभप्रदता, लगाई गई पूंजी से आय नकद लाभ के रूप में वर्ष 2003-04 से जांच अवधि तक घरेलू उद्योग का प्रचालनात्मक कार्य निष्पादन अत्यधिक ऋणात्मक वृद्धि दर्शाता है।

44. उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर जिसमें घरेलू उद्योग की स्थिति पर सभी ज्ञात कारकों के प्रभाव और पाटित आयातों के क्षति रहित प्रभाव को समुचित रूप से अलग-अलग किया गया है, यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि ये अन्य कारक इस तथ्य का खंडन नहीं करते कि कोई वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

45. अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों के मूल के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

46. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए और जिन अपीलकर्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया था उनके निवेदनों की जांच के बाद घरेलू उद्योग, पाटन मार्जिन, क्षति एवं क्षति मार्जिन, जिनका उल्लेख प्राधिकारी ने दिनांक 13 सितम्बर 2007 को यथा संशोधित दिनांक 23 अगस्त, 2007 को जारी अंतिम जांच परिणाम में किया है, की इस जांच परिणाम में पुष्टि की जाती है।

भारतीय उद्योग के हित

47. पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्यतः पाटन को समाप्त करना, जो घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहा है और भारतीय बाजार में खुली तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है, जो देश के सामान्य हित में है।

48. प्राधिकारी मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है। तथापि पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से पाटन की पद्धतियों से प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह नोट किया जाता है पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या उससे भी अधिक स्रोत रख सकते हैं।

निष्कर्ष तथा सिफारिशें

48. माननीय सेस्टेट के 11 अगस्त, 2011 के आदेशों के अनुपालन में प्राधिकारी द्वारा की गई निर्णयोपरांत सुनवाई के बाद हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच और उन पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि प्राधिकारी द्वारा 23 अगस्त, 2007 की अधिसूचना सं. 14/6/2006—डी जी ए डी के तहत जारी किए गए अंतिम जांच परिणाम में कोई उपांतरण अपेक्षित नहीं है। अतः प्राधिकारी एतद्वारा 23 अगस्त, 2007 की अधिसूचना सं. 14/6/2006—डी जी ए डी के तहत निकाले गए अपने जांच परिणाम और उसमें की गई सिफारिशों की पुनः पुष्टि करते हैं।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th February, 2012

Post-decisional Findings (CESTAT REMAND CASE)

Subject : Post-decisional Findings following post-decisional oral hearing (CESTAT REMAND CASE) in the matter of anti-dumping investigation concerning imports of Pre-sensitized Positive Offset Aluminium Plates (PS Plates) From Bulgaria, China PR, Malaysia, Singapore and South Korea.

No. 14/6/2006-DGAD.—A. BACKGROUND

Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

Whereas M/s Technova Imaging Systems (P) Ltd., and M/s. Stovec Industries Limited (herein after referred to as the Applicant) filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred to as the Rules), alleging dumping of Pre-sensitized Positive Offset Aluminum plates (herein after referred to as subject goods) originating in

or exported from Bulgaria, China PR, Malaysia, Singapore and South Korea (herein after also referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti- dumping duties on the subject goods.

2. Whereas the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 24th August, 2006 published in the Gazette of India, Extraordinary initiating Anti- Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with the Rule 6 of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry. Authority issued Final findings dated 23rd August 2007 as amended on 13th September 2007 and definite antidumping duties was imposed by the Ministry of Finance.
3. And whereas, M/s Technova Imaging Systems (P) Ltd., and M/s. Stovec Industries Limited filed an appeal before CESTAT, challenging the imposition of Anti-dumping duty on imports of PS Plates on the reference price basis and another appeal by M/s. Allied Enterprises challenging the imposition of Anti-dumping duty vide Customs Notification No 108 /2007-Customs dated 25th September 2007 The Hon'ble CESTAT vide its order No. AD/31-51/2011 dated 11th August 2011 remanded the matter back to Designated Authority for fresh decision after granting a reasonable opportunity of hearing to the appellants within a period of 6 months.

B. PROCEDURE:

4. The procedure described below has been followed:
 - i. On 24th August 2006, the Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, issued an initiation notification published in the Gazette of India, initiating an anti dumping investigation with regard to imports of Pre-sensitized Positive Offset Aluminum plates, originating in or exported from subject countries. The Anti dumping proceeding was initiated following an application received from M/s Technova Imaging Systems (P) Ltd., and M/s. Stovec Industries Limited (hereinafter referred as applicants) on behalf of the domestic industry representing a major proportion of the domestic production of said product. The application contained evidence of dumping of the said product and material injury resulting there from, which was considered sufficient to justify the initiation of the proceedings.

- ii. The Authority notified the Embassies of subject countries in India about the receipt of fully documented application made by the applicant before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
- iii. According to sub rule (2) of the rule 6 supra, the Authority forwarded copy of the said initiation notification to the known exporters, importers, industry associations, embassies of the subject countries and to the applicants and gave them an opportunity to make their views known in writing.
- iv. According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of non confidential version of the application to all the known exporters in subject countries and their embassies in India. As per Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the relevant questionnaire to all the known exporters and their embassies in India. The Embassy of subject countries in New Delhi were also informed about the initiation of investigation and were requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the following exporters and producers were also sent to the respective embassies along with the name and address of the exporters.
 - 1) M/s. Jungdo Chemical Company Ltd. South Korea
 - 2) M/s. Kodak Polychrome Graphics Singapore Pvt. Ltd, (KPG) Singapore.
 - 3) M/s. Fuji Offset Plates Mfg. Ltd, Singapore
 - 4) M/s. GED Limited, Bulgaria.
 - 5) M/s. Fuji Photo Film (Malaysia) Sdn. Bhd. Malaysia
 - 6) M/s Kodak Polychrome (KP) , Bulgaria
- v. In response to the initiation notification, M/s Kodak Polychrome Graphics, Singapore (KPG, Singapore), an exporter and M/s Kodak Polychrome, Bulgaria (KP, Bulgaria) , the producer responded to the exporters questionnaire and submitted substantial information. Their information was subsequently verified by the Authority after conducting on site verification at the premises of the cooperating exporters and a verification report was issued to the cooperating producer and exporter for their comments. The comments received from the producer and exporter has been examined and are reflected in the disclosure statement.
- vi. A questionnaire was sent to the known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4) as mentioned in para 4 of the final findings.
- vii. The submissions of the printers and associations have been examined by the Authority and have been appropriately dealt with in the final findings. It is stated that subsequent to the initiation of the antidumping investigation the import statistics of product under consideration which was filed by the domestic industry was kept in the public file for information of all interested parties. Subsequently, a copy of

culled out data of the subject goods (as defined in the product under consideration) was also kept in the public file and it was inspected and copies were made available to other interested parties who so requested after inspection of public file. With regard to the claim of confidentiality, it is stated that the Designated authority, upon being sufficient reason given to it by various interested parties have treated the financial reports of domestic industry (M/s Technova Imaging systems Pvt Ltd, Mumbai) and transaction wise import information giving import qty and price and other adjustments of the importers data as 'confidential'. After the public hearing, a copy of the non-confidential version of the financial statements of M/s. Technova Imaging System was also kept in the public file for information to all concerned. The authority also communicated to various interested parties about the availability of this information in the public file when they made request to the authority for collecting copies of these documents.

- viii. A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.
- ix. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- x. Additional details regarding injury were sought from the applicant, which were also received. The Authority sought and verified all the information it deemed necessary for the purpose of determination of dumping and resulting injury. The Authority conducted on the spot investigation of the domestic industry to the extent considered necessary. The cost of the production of the domestic industry was also analysed to work out the cost of the production and the cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles based on the information furnished by the domestic industry so as to ascertain if anti dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic Industry.
- xi. The Authority held a public hearing on 5th January, 2007 to hear the interested parties orally, which was attended by a number of interested parties. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. The Authority in this finding has considered the written submissions thus received from interested parties. The parties were also asked to file rejoinder submissions on views expressed by other interested parties.
- xii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded findings on the basis of the facts available.
- xiii. The Authority has considered data relating to cost of production and selling price of all interested parties as confidential as it would give competitive advantage to their

competitors. The other information has not been considered as confidential unless the responding party has given sufficient justification for keeping the information as confidential.

- xiv. **** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules on merits. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings was disclosed to known interested parties on 25th July and comments received on the same has been considered in Final Findings. Post disclosures, the following interested parties have submitted their comments

1. M/s Allied Enterprises
2. M/s. KP, Bulgaria and M/s KPG Singapore.
3. M/s. Kapoor Imaging
4. M/s. All India Federation of Master Printers
5. Domestic Industry
6. All Bengal Printers Association

The submissions made by all these interested parties have been taken into account and dealt with at the relevant heads in this final finding.

- xv. Investigation was carried out for the period starting from 1 April 2005 to 31st March 2006 (12 months) i.e. the period of investigation (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period 2002-03, 2003-04, 2004-05 and the POI.
- xvi. M/s Technova Imaging Systems (P) Ltd., and M/s. Stovec Industries Limited filed an appeal before CESTAT, challenging the imposition of Anti-dumping duty on imports of PS Plates on the reference price basis and another appeal by M/s. Allied Enterprises challenging the imposition of Anti-dumping duty.
- xvii. The Hon'ble CESTAT vide its order No. AD/31-51/2011 dated 11th August 2011 remanded the matter back to Designated Authority for fresh decision after granting a reasonable opportunity of hearing to the appellant within a period of 6 months. The order stated as follows:

" 15. Accordingly we allow these appeals by remand to the DA for affording post decisional hearing to the appellants and for making such modifications to the final findings as may be necessary as a result of such post-decisional hearing. The respondent- domestic industry and other interested parties, if any, shall be allowed to participate in such post decisional hearing. Any modifications made in the final findings would be considered by giving effect to the same by the Government by carrying out the necessary amendments to the impugned notifications imposing anti-dumping duty. This process shall be completed within 6 months from the date of this

order and status quo shall be maintained meanwhile. Since we are allowing these appeals by remand, the related stay petitions, MAs, and COs stand disposed off."

- xviii. Further, pursuant to the order of CESTAT, the Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally in a Public Hearing held on 14th December, 2011. The interested parties who presented their views orally in the Public Hearing were requested to file written submissions of the views expressed by them orally and were allowed to give rejoinders to the submissions made by opposing parties. It is noted that written submissions following oral hearing pursuant to CESTAT order were received from M/s Kodak (Bulgaria, Singapore And India) and domestic industry M/s Technova Imaging systems (I) Ltd.
- xix. Submissions made by various interested parties during the course of the investigations and pursuant to the oral hearing held by the Authority were examined in detail in the light of facts and legal provisions and the same have been considered in the present findings.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION, LIKE ARTICLE AND DOMESTIC INDUSTRY:

I. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

Submissions and issues raised before the final findings dated 24th August 2007

5. The product under consideration in the present investigation is Pre-sensitized Positive Offset Aluminum plates (also referred to as "PS Plates" or subject goods). The subject goods is primarily used in the printing establishments. There are various kinds of Aluminium Offset Plates, designed to suit the quality, speed & cost requirements of the users, and the imaging technology available to them e.g. Non-sensitised Grained Plates; Pre-sensitised Plates (Positive or Negative working); Digital Plates (Thermal or Violet or UV sensitive). The thickness of the subject goods ranges between 0.15 mm to 0.40mm. The present application covers PS PLATES of all types of thickness ranging from 0.15 mm to 0.40mm with a variation of 0.03mm on either side.
6. PS Plates serve as an image-carrier on an offset printing machine, and is the final link in the lithographic offset printing process. It is used by the printing Industry on sheet-fed & web-fed offset printing machines for printing of newspapers, flexible packaging materials, books, general commercial printing, and stationary, business forms. The subject goods are manufactured from coils or sheets of "litho-grade"

Aluminium by electro-chemically treating the surface, followed by photo-sensitive coating, drying, and cutting the sheets to required dimensions. The subject goods falls under Chapter 84 of the Custom Tariff Act, 1975. While the classification of the PS plates at the eight digit level is 84425020, the subject goods are reported to have been imported under sub-headings 37013000, 37040090, 37051000, 76069190, and 76069290 as well. However, the Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. Subsequent to the initiation, various interested parties have submitted that scope of the product under consideration should be clarified so that it does not include other products like negative plates and digital plates. The Authority has examined the contention of other interested parties and it holds that product under consideration does not cover negative plates and digital plates,, negative offset plates and all plates other than "Pre-sensitized Positive Offset Aluminum plates with thickness ranging from 0.15 mm to 0.40mm with a variation of 0.03mm on either side" are outside the scope of the investigation.

7. Rule 2(d) of AD Rules defines Like Article as

"an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."

8. The applicants have claimed that the subject goods, which are being dumped into India, are identical to the domestic like product produced by the domestic industry. There are no differences either in the technical specifications, quality, functions or end-uses of the dumped imports and the domestically produced subject good. On the issue of like article, some of the interested parties have stated that the domestic industry is considering their top quality high priced plates and the imported PS plates come in the various plates known as short run, medium run and high run. They therefore, have disputed the domestic industry's claim of comparing the indigenous plates with the plates imported from the subject countries as one like product. It has also been stated that the plates imported by them do not have high overhead costs unlike the Indian manufacturers.
9. On the other hand, it has been submitted by the domestic industry that the issue of the quality of the plates manufactured by the Domestic Industry has been introduced by the opposing interested party. It has also been submitted that such arguments are frivolous and only made with a view to distract an objective investigation into the dumping from the subject countries. No technical or scientific evidence has been provided to substantiate this issue. It has also been submitted that the subject goods are produced in various types whether short run, long run or medium run. All the so called grades/types/forms of the subject goods are the subject matter of this petition within the specific width size as mentioned in the said Initiation Notification. It has

further been submitted by the domestic industry that the Petitioners are manufacturing all grades and types of plates which are included in the product under consideration, which can clearly complement and substitute the dumped subject goods. Thus, there is no difference in the subject goods produced by the domestic Industry and imported from the subject countries. It has also been submitted that while the said importer is only importing the so called one quality of plates, which is clearly within the purview of the investigation, it does not absolve his imports from the said allegations made in the Petition and thus the process set by the Designated Authority has to be complied with. On the issue raised in the submissions as regards the marketing cost incurred by the manufacturer, or the power cost or the state of the art production line, it has been submitted that the Korean Manufacturers / Exporters have not complied with the timelines framed by the Designated Authority and have also not submitted any information as mandated under the Exporters Questionnaire, which requires submitting greater and credible information related to the investigation.

10. The Authority has examined the contention of all interested parties and after examination, it is noted that short run, medium run and long run denotes the number of copies or impressions that could be made out of the PS Plates. However, none of the exporters from subject countries with the exception of M/s Kodak Bulgaria and M/s KPG, Singapore have cooperated with the investigation and submitted any data regarding these different grades or variants of the subject goods. Even the sole cooperating exporter M/s KP, Bulgaria and M/s KPG, Singapore have not submitted or classified their subject goods in these three grades or commented anything on these different types of runs. None of the interested parties have submitted any evidence that these three variants of the subject goods imported from subject countries are not like products to the subject goods produced by the domestic industry. The Authority considers that different types of subject goods are produced from the same production technology, manufacturing process, raw materials, plant & equipment and perform the same general purpose. There is a great amount of substitutability between different types of subject goods. Even though the product has been grouped in discrete types according to thicknesses, and runs, these specific characteristics merely differentiate various types of subject goods. . The imported product is also used by same category of consumers. Further, neither the exporters nor the interested parties have disputed the fact along with evidence that there is any difference in the subject goods imported from subject countries and the subject goods manufactured by the domestic industry After examining the claims, the Authority holds that the subject goods produced by the domestic industry and produced and sold by the subject countries being technically and commercially substitutable are considered as 'like articles' under the Anti Dumping Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the applicants in India are being treated as 'Like Articles' to those being imported from the subject countries. Post disclosure, none of the interested parties has made any comments with regard to product under consideration and like article. In view of that, the authority confirms the product under consideration and like article as determined in the disclosure statement.

Submissions raised in written submissions and rejoinders after the second oral hearing on 14th December 2011 pursuant to CESTAT orders dated 11th August 2011.

By Kodak (Bulgaria, Singapore And India)

Scope of Product Under Consideration

11. Technova has misled the authority with regard to scope of the product under consideration. Customs authorities have collected anti-dumping duties on imports of CtCP plates, holding that CtCP plates are the same as PS Plates or Analogue Plates.
12. Distinguishing feature adopted by the authority in describing CtCP, Analog and Digital Plate is without any technical basis.

By Domestic Industry (Technova)

13. Instead of transferring the image first to a film and then to a plate, one may also use a Computer-To-Plate (CTP) technology wherein the image is transferred from the computer to the plate directly through a plate setter. The plates used for such purposes are known as Digital Plates or CTPs. The product under investigation does not include PS negative plates and digital plates. It is restricted to PS Positive plates only.
14. Kodak has not provided any evidence with regard to collection of antidumping duties by Customs authorities on CtCP plates holding the same as PS plates.

Examination by Authority

15. The Authority has examined the issue of scope of product under consideration in detail in the final findings and notes that digital plates are outside the purview of the investigation and the same were excluded from product scope of PS Plates in the final findings as dealt in para 6. In fact, subsequently, it has been noted that CtCP plates are UV CTP plates and hence are outside the purview of the definition of the PS plates as defined in the para 6 of the final findings. In view of the above, the Authority maintains its earlier decision and reconfirms the product scope as per final findings dated 24th August 2007.

DOMESTIC INDUSTRY

16. It is noted that the application was filed by M/s. Technova Imaging Systems (P) Limited, (Technova) and M/s. Stovec Industries Limited (Stovec) . From the examination of the information on record, it is noted that the collective production of the

aforesaid producers constituted a major proportion of the total domestic production of the like article and therefore they represented the domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules supra and they have the required standing to file the application under rule 5(3)a of the Anti dumping rules.

17. Subsequent to the initiation, another domestic producer of the subject goods M/s Lastra Niraj Pvt Ltd has submitted the information in the form and manner of domestic industry questionnaire. The Authority has therefore taken all three producers data into account (which account for entire production of subject goods in the country) for determining the injury of domestic industry as a whole. Post disclosure, none of the interested parties has submitted any comments with regard to standing and domestic industry status in this investigation. In view of that, the authority confirms the domestic industry and standing determination made in the disclosure statement.

Submissions and issues raised before the final findings dated 24th August 2007

Issues raised by Various Interested parties with regards to import data, confidentiality, monopoly position and procedures followed by the Authority and Other issues :

18. It is reiterated that these issues have been mentioned and analysed by the Authority from para 12 to 42 in the final findings.

Submissions raised in written submissions and rejoinders after the second oral hearing on 14th December 2011 pursuant to CESTAT orders dated 11th August 2011.

By KODAK (BULGARIA, SINGAPORE AND INDIA)

19. The petition considered one scope of the domestic industry and the Designated Authority considered that scope as the scope of the domestic industry. Post initiation and in fact as close to as oral hearing, the petitioner enlarged the scope of the domestic industry. Thus, the scope of the domestic industry in the petition, initiation notification and final findings is different.

This is illegal and violative of Rule 5 and 6 of the Anti Dumping Rules and corresponding provisions of the WTO Agreement. The decision to include other domestic producers is also inconsistent with the decision of the WTO Panel in the matter of Mexico – Anti-Dumping Duties on Steel Pipes and Tubes from Guatemala. Subsequent to Disclosure Statement, M/s Kodak (BULGARIA, SINGAPORE AND INDIA) have reiterated their submissions made earlier with regard to scope of domestic industry in this investigations.

By Domestic Industry (Technava)

20. The application was filed by two domestic producers and subsequently, the third domestic producer came forward and provided injury information. After incorporating the information so obtained during the course of the investigation, domestic industry has revised the Proforma IVA giving the consolidated data for all the three domestic producers.
21. There is no rule that prohibits submission of relevant information during the course of the investigation. Antidumping investigation is a continuous process and any interested party can submit the information to investigating authority so that correct determination can be made by the authority.

Examination by Authority

22. The Authority notes that all three domestic producers comprise of the total production of subject goods in India and therefore the injury analysis has been done with regards to the domestic industry as a whole. This is well addressed in the para 11 of the final findings.

D. DETERMINATION OF DUMPING MARGIN

23. Issues regarding the determination of dumping margin have been examined by the Authority from para 43 to 65 of the final findings.

E. INJURY AND CAUSAL LINK

24. Issues regarding injury to domestic industry and determination of injury margin have been dealt by the Authority from para 66 to 92 of the final findings.

F. Other issues raised in written submissions and rejoinders after the second oral hearing on 14th December 2011 pursuant to CESTAT orders dated 11th August 2011

By KODAK (BULGARIA, SINGAPORE AND INDIA)**Investigations against Singapore**

25. It has been submitted that investigation against Singapore is illegal. There is neither finding recorded by the authority nor any evidence provided by the domestic industry or other interested parties that there is a production facility in Singapore. Information provided by the Kodak clearly established that even when the material was invoiced from Singapore, the goods were produced in Bulgaria.

Sales Channel

26. The sales channels adopted by Technova and Kodak are different. This has direct impact on the price difference between the imported and domestic product claimed by Technova. This gets established by the expenses on account of selling, general & administrative expenses considered by the Designated Authority in determining dumping margin.
27. Sales cost is being incurred by Technova and are not being incurred by Kodak, Bulgaria. In case of Kodak Bulgaria, such sales functions are being performed by Kodak Indian operations. Any comparison of costs and prices of Technova which includes significant amount of sales cost with import price is highly distorting.
28. Technova is providing these sales services, in case of imports, Kodak India is providing these after sales services. Thus, any comparison of Technova's cost of production, selling price or non injurious price with import price at port is highly misleading and leads to unfair comparison.

Issue of cumulation

29. M/s Technova has misled the authority in doing cumulative price undercutting, price suppression, price depression and price underselling.

Negative Price undercutting of Kodak and Causal link

30. Price undercutting in respect of exports by Kodak is negative. While this justified de-cumulation of Bulgaria, it also shows that no injury has been caused by the exports from Bulgaria.

Significant change in the consumption pattern and the technological developments.

31. Injury to Technova has been caused due to significant change in the consumption pattern and the technological developments. Technova has misled the authority in believing that there has not been an insignificant impact of technological development and change in the consumption pattern.

Issues raised by M/s Kodak (Bulgaria, Singapore and India) After Disclosure Statement

31(a) Subsequent to issuance of Disclosure Statement, M/s Kodak (Bulgaria, Singapore and India) have reiterated the submissions made earlier by them in their written submissions and which are mentioned in the preceding paragraphs.

Submissions by domestic industry M/s Technova on the issue raised by M/s Kodak and issues raised in their Appeal to CESTAT

32. Producers of subject goods from China PR have been practicing unfair trade practices across the world. This is evident from the fact that other WTO members have also imposed AD Duty on imports from China PR.
33. Market share of the domestic industry has come down. Demand for the product increased from 100 to 133.56 recording an increase of about 33%. Inventories have increased. Dumped imports not only caused an adverse volume effect. They have also caused adverse price effect.
34. Considering the facts and circumstances of the case, AD Duty should have been recommended on a fixed rate basis and not on a reference price basis. The Duty had also been recommended at 6 digit level which is quite uncommon.
35. The antidumping duty in the form of a reference price is more prone to misuse as the payment of duties can be avoided by importers by raising the export price in collusion with exporters. After imposition of antidumping duty, exporters have increased their invoice price marginally above the reference price with the sole objective of evading antidumping duty.
36. Volume of imports reported from Singapore is quite substantial and Kodak has not provided any evidence with regard to absence of production facility in Singapore for other producers.

37. There is no prohibition for initiating investigations against countries that only export the subject goods without manufacturing them.
38. Kodak is purely misguiding the authority with false submissions with respect to sales channel and level of trade. The authority in its final findings para 48 has clearly indicated that KPG Singapore does not invoice the product to KPG India and all invoices are to unaffiliated customers in India.
39. Kodak Singapore was directly invoicing to unaffiliated end customers, the price charged by Kodak Singapore must include all the expenses to affect such sales.
40. Kodak has not stated that they do not compete with the domestic like article. So long as the imported products from the subject countries directly compete with domestic like articles, cumulative assessment of injury is permitted under the rules. In the post Disclosure comments, the domestic industry has requested the Authority to confirm the Final Findings issued earlier.

Examination by the Authority

41. It is noted that the issues raised by various interested parties as mentioned above and in their appeals before CESTAT and also made before the Authority in the public hearing have been dealt in the final findings. The issue of change in the consumption pattern and the technological developments have been specifically dealt in para 83 and 84 of the final findings. The conclusions on injury and causal link have been dealt in the para 88 of the final findings. The issue of cumulation has been dealt in the para 69 to 74 of the final findings while issue of injury including the issue of price undercutting and undercutting margins have been dealt in the para 78 of the final findings. It is also mentioned that reference price duty has been imposed by the Authority taking into account the factual matrix of the case and also taking into account submissions of interested parties.

Conclusion on Injury and Causal link

42. On the issue of injury and causal link, all the fifteen mandated parameters affecting the domestic industry have been examined. The volume and the price effect from subject countries have been cumulated as per the rules provision. From the volume and the price effect, it is gathered that the volume of the dumped imports have increased substantially during the injury period and have increased substantially during the POI. The volume of the dumped imports from subject countries is considered significant in relation to the demand as well as in relation to the production of the subject goods in the country. In

relation to prices, it is noted that there has been a decline in the prices at the CIF level as well as the landed value of subject goods from subject countries. Following decline in the landed value, it is noted that the dumped imports prices have undercut significantly the prices of the domestic industry in the Indian market. It is also noted that the dumped imports from subject countries have suppressed the domestic industry prices and there is a significant price underselling by domestic industry as the landed prices are significantly below the non injurious price determined for the domestic industry. With regard to the impact of volume and the price effects on the domestic industry, all the fifteen parameters have been examined. Factors other than dumped imports known to cause injury to the domestic industry have also been examined in the causal link. It is noted that the dumped imports started surging only from 2003-04 onwards. However, the base year for this injury period is 2002-03. It is noted from the examination that though production and sales have increased during the injury period in the absolute basis, the increase is considered insignificant from 2003-04 onwards which incidentally was the year from which dumped imports from subject countries started surging. In fact, the capacity utilization has declined significantly since 2003-04 to the POI. With regard to the change in the operating performance, it is seen that there has not been much change (marginal decline in some parameters) in financial parameters from base year to the POI, however, the changes appear significant from 2003-04 to the POI. The operating performance of domestic industry show a significant negative growth from 2003-04 to the POI in terms of profitability, ROI, cash profit.

43. Given the above analysis which has properly distinguished and separated the effects of all known factors on the situation of the domestic industry from the injurious effects of the dumped imports, it is concluded that these other factors as such did not reverse the fact that the material injury found may be attributed to the dumped imports.
44. It is, therefore, concluded that the dumped imports originating in the subject countries have caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti Dumping rules.
45. In view of the above and after examining the submissions of appellants and other interested parties who attended the public hearing, the determination of domestic industry, dumping, dumping margin, injury and injury margin as mentioned by the authority in the final finding dated 23rd August 2007 as amended on 13th September 2007 is confirmed in this final finding.

Indian Industry interest.

46. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

47. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. It is noted that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

G. CONCLUSIONS AND RECOMMENDATIONS

CONCLUSION & RECOMMENDATION

48. After examining and addressing the submissions made by the interested parties pursuant to the post decisional oral hearing held by the Authority, in compliance with the orders dated 11th August, 2011 by the Hon'ble CESTAT, the Authority concludes that no modification is warranted in the final findings issued by the Authority vide Notification No.14/6/2006-DGAD dated 23rd August 2007. The Authority, therefore, hereby re-affirms its findings made vide Notification No. 14/6/2006-DGAD dated 23rd August 2007 and the recommendations made therein.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority